>

Title : Issue regarding giving money to Members of Parliament to win the Vote of Confidence by the Government in 2008.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, I have given notice for an Adjournment Motion because today *The Hindu* newspaper carries an explosive news, unprecedented in the history of Indian democracy. Never has this type of news come in the newspaper. ...(*Interruptions*) मैडम, यह क्या है?

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री गुरुदास दासगुप्त : इनका बोलना बंद कराइए। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

(Interruptions) â€¦ *

श्री गुरुदास दासगुप्त : हमें बोलने दीजिए। ...(व्यवधान) आप हमारी बात सुनिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Please listen to me. I have given notice for an Adjournment Motion. ...(*Interruptions*)

Madam, my point is that never such a news has appeared any time in the history of Indian democracy. The news says that there was a No Confidence Motion brought in 2008 by us and in the No Confidence Motion, the entire Opposition had voted against the Government. The news says that in order to win over the No Confidence Motion, Rs. 50 crore to Rs. 60 crore were paid to a number of Members. ...(*Interruptions*)

Madam, I am not taking any name. There are names also here. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उनको समाप्त करने दीजिए। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिए। Nothing else is going on record.

(Interruptions) â€¦ *

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Madam, according to your rules, I do not take any name, but the point is serious because if money was paid to Members to win the Vote of Confidence, then that is the murder of democracy that has taken place. I have with me the original thing also and not only *The Hindu* news. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप उसको नीचे रखिए। You are a senior Member.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : It is the American Embassy who is sending report to their masters in Washington that the Government is going to win ...(*Interruptions*)

Madam, it is a note that the American Embassy is sending to the American President about the Government of India. I would like to know whether the control room of Government of India is in Delhi or in Washington. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please take your seats.

Shri Dasgupta, you conclude it now.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Madam, I demand that the Prime Minister should come to the House and make a statement denying this. ...(*Interruptions*) If the Prime Minister does not deny this, then he should resign immediately. â€¦ (*Interruptions*) He should resign on the very first occasion. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Okay. Now, Shrimati Sushma Swaraj.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद।...(व्यवधान) इन्हें बिठाइए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ये नेता, प्रतिपक्ष हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप नेता, प्रतिपक्ष के बाद बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरा नोटिस है।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except what Shrimati Sushma Swaraj is saying.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप सब नाम ले-लेकर बोल रहे थे। हमने सुना है। आप बैठ जाइए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, आप हाउस में आर्डर लाइए।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: What happened yesterday?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आप खड़े होंगे तो दूसरी तरफ से भी माननीय सदस्य खड़े होंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : कल हमने आपकी बात सुनी थी, आज आप हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, आप बोलिए। आपकी बात रिकार्ड में जा रही है, और कुछ रिकार्ड में नहीं जा रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, पिछले तीन दिनों से हिन्दू अखबार में विकिलीक्स के माध्यम से चौंकाने वाले खुलासे दिए जा रहे हैं। लेकिन जो खुलासा आज हुआ है, वह चौंकाता नहीं है, वह दुनिया में भारत को शर्मसार करता है।...(व्यवधान) वह खुलासा भारत के लोकतंत्र को कलंकित करता है।...(व्यवधान) वह खुलासा तथाकथित ...* उस रहस्य को उजागर करता है।...(व्यवधान) हमारे लिए यह खुलासा नया नहीं है। ...(व्यवधान) हमने उस समय भी प्रमाण के साथ यह आरोप सदन में रखा था।...(व्यवधान) मैं उस समय इस सदन की सदस्या नहीं थी, दूसरे सदन में थी। आप इसी सदन में थी और स्वयं मंत्री भी थीं।...(व्यवधान) आपने वह दृश्य देखा होगा। हमारे तीन सांसद नोटों के बंडल लेकर सदन में आए थे और उन्होंने स्पीकर साहब से कहा था कि पैसे देकर हम लोगों को खरीदने की कोशिश की जा रही है।...(व्यवधान) मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि ... *...(व्यवधान)

यह कहा कि सदन में नोट लहराना अपराध है। ...(व्यवधान) मैं पूछना चाहती हूं कि सांसदों को नोट देना अपराध नहीं था, सदन में नोट लाना अपराध था। ...(व्यवधान)

अध्यक्षा जी, मैं कहना चाहती हूं कि आम तौर पर ऐसे अपराध रात के अंधेरे में किये जाते हैं, गुमनामी में किये जाते हैं। ...(व्यवधान) ऐसे अपराध, किसी को भनक न पड़े, यह सावधानी बरत कर किये जाते हैं। ...(व्यवधान) मगर इस सरकार के ऑपरेटर्स इतने अहंकारी और घमंडी थे कि दो-दो चैस्ट, बैग में भरे हुए पैसे ...(व्यवधान) अमेरिकन ऐम्बेसी के कर्मचारी को दिखाकर कह रहे थे -- बता दो अपनी सरकार को, हम यह पैसे देकर सांसद खरीद रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं पूछना चाहती हूं कि यह ...* का प्रदर्शन कर रहे थे या अपनी ...* का। ...(व्यवधान) इससे बड़ी **...** नहीं हो सकती। ...(व्यवधान) पैसे के बैग लेकर दिखाये जायें। ...(व्यवधान) अध्यक्षा जी, जो विकीलीक्स है, जिसका नम्बर भी है, तारीख भी है। ...(व्यवधान) 17 जुलाई, 2008 को यह विकीलीक्स दी गयी और 162458 सीक्रेट के नाम से दी गयी। ...(व्यवधान) इसमें मंत्री का नाम है, मंत्री के सहयोगी का नाम है। ...(व्यवधान) मंत्री, जिनके करीबी हैं, उन नेताओं का नाम है। ...(व्यवधान) मैं आपसे कहना चाहती हूं कि यह सरकार उन लोगों को जो यह काम कर रहे हैं ...(व्यवधान) उनको पद्म-विभूषण से नवाजती है। ...(व्यवधान) अध्यक्षा जी, इस सरकार पर पुराने तीन महीने से लगातार चोट पर चोट हो रही है। ...(व्यवधान) मगर यह ऐसे हथौड़े की चोट है, जो यह सरकार नहीं सहेगी। ...(व्यवधान) यह सरकार शासन करने का नैतिक अधिकार खो चुकी है। ...(व्यवधान) अब इस सरकार को एक क्षण भी अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। ...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी को यहां आना चाहिए और अपने इस्तीफे की घोषणा करनी चाहिए। ...(व्यवधान) यह मेरी मांग है। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, माननीय गुरुदास दासगुप्ता जी ने जो सवाल रखा है, मैं उससे सहमत हूं, क्योंकि सरकार बचाने में मैंने भी मदद की। ...(व्यवधान) अब किसने क्या किया है? कहीं यह दाग हमारी पार्टी पर न आ जाये, इसलिए आप कार्य स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार कीजिए। इस पर चर्चा हो जाये और सरकार की तरफ से भी स्पष्टीकरण आ जाये। अगर इतना रुपया, किसी को 10 करोड़ रुपये, किसी को 50 करोड़ रुपये सरकार बचाने में मिले हैं, जब यह साफ है, तो मैंने भी सरकार बचाने का काम किया है।...(व्यवधान) अगर सरकार उन्होंने बचायी है ...(व्यवधान) हमने सरकार बचायी है।...(व्यवधान) ऐसे में सरकार बचाने वाले सारे बदनाम हो जायेंगे। इसलिए सदन में यह साफ होना चाहिए, ...(व्यवधान) यह हमारी मांग है। आप गुरुदास दासगुप्ता जी के कार्य स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार कीजिए और उस पर चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान) सारा कामकाज बंद करके इस पर चर्चा करानी चाहिए। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 1200 hours.

11.19 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Twelve

of the Clock.

12.00 hrs.

The Lok Sabha reassembled at Twelve of the Clock

(Dy. Speaker in the Chair)

उपाध्यक्ष महोदय : डॉ. रामचन्द्र डोम ।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप एक मिनट रुकिए।

श्री शरद यादव ।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): महोदय, यह बहुत गंभीर विषय है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : उनका नोटिस आया हुआ है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : उपाध्यक्ष जी, उनको भी बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : उनका नोटिस आया हुआ है, तो उनको बोलने दिया जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शरद यादव जी, आप बोलिए। अन्य किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

श्री शरद यादव : महोदय, सुषमा जी ने, गुरूदास दासगुप्ता जी एवं मुलायम सिंह यादव जी ने जो सवाल उठाया है, वह गंभीर है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप लोग बैठ जाइए। इनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया शांत रहें।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : महोदय, यह सवाल इतना गंभीर है कि एक बारे पहले विकीलीक्स आई, अब यह दूसरी है। आपको मालूम होना चाहिए कि जब वोट ऑफ कांफिडेंस, विश्वास प्रस्ताव आया था, तो चार या पांच एमपी नहीं, 19 एमपीज का इधर से उधर बदलाव हुआ था।...(व्यवधान) एक हमारा भी गया था।...(व्यवधान) इसमें एक बात बहुत गंभीर है...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इन्होंने नोटिस दिया है। जिन लोगों ने नोटिस दिया है, उनको बुला रहा हैं, अन्य किसी को नहीं बुला रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : इसमें एक सबसे गंभीर मामला यह है...(व्यवधान) हम नहीं चाहते हैं कि ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : केवल शरद जी की बात रिकॉर्ड में जाएगी।

...(व्यवधान) *

श्री शरद यादव : हम नहीं चाहते कि हिन्दुस्तान और अमेरिका के रिश्ते खत्म हों।...(व्यवधान) नारायणसामी जी, मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान) यह बात ठीक नहीं है, इनको बैठाइए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : केवल शरद जी की बात रिकॉर्ड में जाएगी, अन्य किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

श्री शरद यादव (मधेपुरा): महोदय, यह बात ठीक नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिकन एम्बेसी हिन्दुस्तान को चला रही है।...(व्यवधान) हमारा यह कहना नहीं है कि अमेरिका से आपकी दोस्ती न हो। यह जरूरी है, दोस्ती करिए। लेकिन आज विकीलिक्स से जो मामले आ रहे हैं, उनमें एक बड़ा सवाल यह आ रहा है कि ...(व्यवधान) जो अमेरिकन एम्बेसी है...(व्यवधान)

सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक-एक बात जाकर अमेरिकन एम्बैसी से पूछी जाती है, जैसे वे इस देश के कोई मालिक हों। एक-एक बात वहां जाकर करते हैं। जो सांसदों की खरीद-फरोख्त हुई, उनके लोगों को बुलाकर कहते हैं कि यह सूटकेस है, इसमें पैसा भरा हुआ है।...(व्यवधान) यह खुलासा विकिलीक्स ने किया है। यह हम भी जानते हैं, हम सब लोग उस समय अविश्वास प्रस्ताव पर एक थे और एक रहकर आपको भारी लग रहे थे इसलिए 19 सांसद इधर से उधर गए थे। यह बात विकिलीक्स ने भी बताई है। विकिलीक्स ने लिखा है कि उन्होंने कहा है कि हम पैसे देकर पूरा बहुमत बना लेंगे और यह जो न्यूक्लियर बिल है, आश्वस्त किया कि इसे पास करा लेंगे। इसमें बड़े से बड़े लोग लगे। उस समय तो मुलायम सिंह जी की पार्टी भी आपका साथ दे रही थी। वह यहां बैठे हुए हैं। आप सारे लोगों को बदनाम करा रहे हैं। इनके लिए कह रहे थे कि हमारा इनसे कोई वास्ता नहीं है। इस सदन में पैसे डाले गए, वह बात सच थी, असत्य नहीं थी।...(व्यवधान) आज विकिलीक्स में पूरा का पूरा और सारा का सारा जो देश में हो रहा है, उसकी पोल खोली गई है। उसका पूरा भंडाफोड़ है और वह कोई गलत नहीं है, पूरा सही है। इसलिए कि हम इसे भुगते हैं। हमारे सांसद को इन्होंने अपनी ओर मिला लिया, पैसे के दम पर....(व्यवधान) लोकतंत्र पर इससे बड़ा हमला और डाका कभी नहीं पड़ा। हम जानते हैं कि यह जो खरीद-फरोख्त हुई है, सारा का सारा अमेरिका के कहने पर हुआ है और अमेरिकन एम्बैसी भी इस काम में लगी हुई थी। इसलिए प्रधान मंत्री जी सदन में आएं और सारी बात को बताएं कि विकिलीक्स गलत है या सही है, बताएं। हम कहना चाहते हैं कि यह सच है, दीवार पर लिखा हुआ है, 19 सांसद इधर से उधर गए, यह काम बिना लालच के नहीं हो सकता था।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय; कृपया अपनी बात समाप्त करें।

...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : इसलिए प्रधान मंत्री जी को इस विषय पर बयान देना चाहिए और देश की आन को, शान को बचाना चाहिए।...(व्यवधान) अमेरिका हमारा दोस्त

हो सकता है, लेकिन वह हमारा सबसे बड़ा लार्ड माउंटबेटन नहीं है। आज पूरा देश उसको सजदा कर रहा है, उनसे पूछ-पूछ कर ये लोग काम कर रहे हैं। यह बात देश के लिए सही नहीं है।...(व्यवधान) हम कहना चाहते हैं कि प्रधान मंत्री जी यहां आकर इस पर बयान दें और स्थिति स्पष्ट करें।

उपाध्यक्ष महोदय: आपने अपनी बात कह दी है, अब आप बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : जब तक वह यहां आकर स्थिति स्पष्ट नहीं करते, तब तक सदन चलने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

उपाध्यक्ष महोदय: शून्य काल में व्यवस्था का प्रश्न नहीं होता है इसलिए आप बैठ जाएं।

DR. RAM CHANDRA DOME (BOLPUR): Mr. Deputy-Speaker, Sir, a most shameful revelation has been made by a national daily *The Hindu* based on the bases of Wilileaks papers. ...(*Interruptions*) The matter has already been raised by the esteemed leader of CPI Mr. Gurudas Dasgupta and other leaders. This is the most shameful thing in the history of Indian democracy. During the Confidence Motion that took place on 22nd July, 2008, following withdrawal of support by the Left from the then Government led by Dr. Manmohan Singh on an important issue, many of the Members were given cash for votes. ...(*Interruptions*) That revelation was made by a former Minister, a senior leader, and a Member of the other House that he was involved in this brokerage.

...(*Interruptions*) They talked to the US diplomat on this issue ...(*Interruptions*)

This is a shameful revelation, Sir. This is a criminal offence and criminal investigation should be instituted immediately against those involved. ...(*Interruptions*) Our demand is that the Prime Minister of the country should explain to this House, and own the moral responsibility on this issue. ...(*Interruptions*) He has no right to continue further. ...(*Interruptions*) He should come immediately to the House and explain the position immediately as to what had happened at that time. ...(*Interruptions*) This is our demand of the entire Opposition. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त कीजिए। ...(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है।...(व्यवधान) विकिलीक्स की कोई क्रैडिबिलिटी नहीं है। ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, मुझे भी बोलने का मौका मिलना चाहिए। ...(व्यवधान) सच सूनने से क्यों बच रहे हो।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet at 2 p.m.

12.12 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Sanjay Nirupam may please start.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please do not record anything except the speech of Shri Sanjay Nirupam.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): सभापति महोदय, बहुत दुर्भाग्य की बात है कि हमारा देश दुनिया में पहला देश है,...(व्यवधान) जहां विकीलीक्स पर चर्चा हो रही है। विकीलीक्स ऐसी वेब एजेंसी है, जिसे दुनिया के तमाम देशों ने रिजेक्ट कर दिया है। इसकी अपनी कोई प्रामाणिकता नहीं है, कोई क्रेडिबिलिटी, कोई वैरासिटी नहीं है।...(व्यवधान) अमरीकन एम्बेसीज़ हैं, उनके जो पालिटिकल मास्टर्स हैं, उन्हें जो केबल भेजे जा रहे हैं, उनकी कोई गारंटी नहीं है। उसकी कोई क्रेडीबिलिटी नहीं है। विपक्ष के साथियों पर मुझे तरस आता है।...(व्यवधान) उनके अंदर इतनी बैंकरप्ट्सी आ गई है कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। बगैर किसी मुद्दे के ओपोजिशन की तरफ से ये बातें खड़ी की जा रही हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय, मुझे बहुत तकलीफ के साथ कहना पड़ रहा है कि लेफ्ट फ्रंट के लोग,...(व्यवधान) जो कम्यूनिस्ट पार्टी के लोग हैं, उन्हें कभी भी अमरीका पर विश्वास नहीं हुआ। अमरीका से वे नफरत करते हैं, लेकिन विकीलीक्स के मामले पर ये अमरीका पर भी विश्वास दिखा रहे हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet again at 6 p.m.

14.03 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eighteen of the Clock.

* Not recorded

18.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Eighteen of the Clock.

(Madam Speaker *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, मैं कुछ कहना चाहती हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम पहले गिलोटिन कर लें। इस समय गिलोटिन का टाइम है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं पांच मिनट के लिए गिलोटिन में ही कुछ कहना चाहती हूं। ...(व्यवधान) हम वाकआउट कर जायेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : क्या यह उस से संबंधित है?

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, यह गिलोटिन से संबंधित नहीं है, सुबह के विषय से संबंधित है। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, हम वाक आउट करते हैं।

18.01 hrs.

At this stage Shri Mulayam Singh Yadav and some other Hon. Members came and stood on the floor near the Table

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, we are walking out against the silence of the Prime Minister. The hon.

Prime Minister is silent. He is not replying. ...(*Interruptions*) It is totally corrupt Government. We are walking out. ...(*Interruptions*)

At this stage, Shri Gurudas Dasgupta and some other

hon. Members left the House.

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, सुबह जिस तरह का दृश्य सदन में उपस्थित हुआ, उससे आहत होकर मैं बोल रही हूं। सुबह 'हिन्दू' अखबार में विकीलीक्स का जो खुलासा हुआ था। ...(व्यवधान) अब फिर वही हालत हो रही है। ...(व्यवधान) नेता सदन और प्रधान मंत्री जी से मैं दरख्वास्त करूंगी। ...(व्यवधान) नेता सदन से मेरी फोन पर भी बात हुई और मैंने उनसे कहा कि काश आप उस समय उपस्थित होते। हम अपनी बात कह रहे थे, हमें अपनी बात कहने देते। उन्होंने कहा कि जो सुबह हुआ, वह अच्छा नहीं हुआ। इसलिए मैं आपसे केवल इतना कहना चाह रही हूं कि जो कुछ आज विकीलीक्स के माध्यम से हिन्दू अखबार में निकला है, उससे पूरे देश का सिर शर्मसार हुआ है। उससे लोकतंत्र कलंकित हुआ है। हम यह चाहते थे कि प्रधान मंत्री उस पर बयान दें। प्रधान मंत्री जी इस समय उपस्थित हैं। मैं कहना चाहती हूं कि प्रधान मंत्री जी उस पर बयान दें और बतायें। अगर वह कहते हैं कि यह गलत है, तो फिर बतायें कि वह गलत कैसे है। लेकिन अगर प्रधान मंत्री जी का बयान उस पर नहीं आता, किसी तरह की पहल सरकार की तरफ से नहीं होती, तो फिर हम इस गिलोटिन में, डिमांड्स फॉर ग्रांट्स में बैठे नहीं रह सकते। मैं आपकी अनुमति से अदब के साथ कहना चाहूंगी कि सारा विपक्ष बहिर्गमन करके चला जायेगा और आप अपनी डिमांड्स पारित करते रहिए।

18.03 hrs.

At this stage Shrimati Sushma Swaraj and some other Hon. Members

left the House

14.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Shri Francisco Cosme Sardinha *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

At this stage Shri Ashok Argal and some other Hon. Members came

and stood on the floor near the Table

...(*Interruptions*)